

Roll No .....

**816**  
**B.A. (Previous)**  
**Examination 2010**  
**EHD-01**  
**(Elective Course/ ऐच्छिक पाठ्यक्रम)**  
**Hindi Gadya**  
**हिन्दी गद्य**

**Time: 3 Hours**

समय: 3 घण्टे

**Maximum Marks : 70**

पूर्णांक: 70

**नोटः—** इस प्रश्न पत्र के तीन खण्ड हैं। सभी खण्डों के अंकों का विवरण उस खण्ड में दिए गए प्रश्नों के सम्मुख अंकित हैं।

**खण्ड—क**

**1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए ?                    2x5=10**

- (क) बृहत्तर जीवन में अस्त्रों-शस्त्रों को बढ़ाने देना मनुष्य की पशुता की निशानी है और उनकी बाढ़ को रोकना मनुष्यत्व का तकाजा है। मनुष्य में जो धृणा है, जो अनायास बिना सिखाये आ जाती है, वह पशुत्व का द्योतक है और अपने को संयत रखना, दूसरे के मनोभावों का आदर करना मनुष्य का स्वधर्म है। बच्चे यह जानें तो अच्छा हो कि अभ्यास और तय से प्राप्त वस्तुयें मनुष्य की महिमा को सूचित करती हैं।
- (ख) जीवन, तुमसे ज्यादा असार भी दुनिया में कोई वस्तु है ? क्या वह उस दीपक की भौति क्षणभंगुर नहीं, जो हवा के एक झाँके से बुझ जाता है। पानी के एक बुलबुले को देखते हो, लेकिन उसे टूटते भी कुछ देर लगती है, जीवन में उतना सार भी नहीं। सॉस का भरोसा ही क्या और इसी नश्वरता पर हम अभिलाषाओं, के कितने विशाल भवन बनाते हैं। नहीं जानते नीचे जाने वाली सॉस ऊपर आयेगी या नहीं: पर सोचते इतनी दूर की हैं, मानो हम अमर हैं।
- (ग) बार—बार राजनीति ! प्रत्येक प्रश्न में राजनीति ! राज्य का समाहर्ता राज्य के महामंत्री से राजनीति के रहस्य नहीं कहना चाहता ? और आसवपान करने में भी तुम्हारी राजनीति है ! हाँ, तुम्हारी नहीं, मेरी है। समाहर्ता ! यदि तुम नहीं चाहते तो मैं तुमसे राजनीति के रहस्य खोलने के लिए नहीं कहूँगा। कविता की बातें कर सकते हो ? उत्तर दो, जो आसव वन्य कुसुमों की सुगंधि लिए हुए है, वह इतना मादक क्यों होता है ?
- (घ) सहसा रातवाली घटना बिजली की भौति उसकी आँखों के सामने चमक गई। कलेजा उछल पड़ा। अब तक निश्चिन्त होकर खोज रही थी। अब ताप—सा चढ़ आया। बड़ी उतावली से चारों ओर खोजने लगी। कहीं पता नहीं। जहाँ खोजना चाहिए था, वहाँ भी खोजा और जहाँ नहीं खोजना चाहिए था, वहाँ भी खोजा। इतना बड़ा सन्दूकचा बिछावन के नीचे कैसे छिप जाता, पर बिछावन भी झाड़कर देखा। क्षण—क्षण मुख की कान्ति मलिन होती जाती थी। प्राण नशों में समाते जाते थे। अन्त को निराश होकर उसने छाती पर एक धूंसा मारा, और रोने लगी।

**2. नीचे दिये गये प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।                    3x10=30**

- (क) हिन्दी गद्य के विकास में भारतेन्दु—युग के योगदान पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

- (ख) 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर निर्मला का चरित्र-चित्रण कीजिए।  
 (ग) अभिनेयता की दृष्टि से उपेन्द्रनाथ 'अश्क' के एकांकी जोंक का मूल्यांकन कीजिए।  
 (घ) कहानी कला के तत्वों के आधार पर मनू भंडारी की 'अकेला' शीर्षक कहानी की समीक्षा कीजिए।  
 (ङ) आत्मकथा की परिभाषा दीजिए तथा आत्मकथा व जीवनी में अन्तर बताइये।  
 (च) हिन्दी उपन्यास के विकास में प्रेमचन्द के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

**खण्ड-ख**

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **3x5=15**
- (क) नाटक तथा एकांकी से संबंधित कोई दो अन्तर बताइये।  
 (ख) रेखाचित्र तथा संस्मरण में अन्तर बताइये।  
 (ग) यात्रावृत्त विधा की विशेषताएँ बताइये।  
 (घ) मंसाराम के चरित्र की विशेषताएँ बताइये।  
 (ङ) 'संस्कार और भावना' किस रचनाकार का एकांकी है ? 'संस्कार और भावना' के नारी पात्र उमा की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

**खण्ड-ग**

4. सत्य कथनों के आगे (✓) और गलत कथनों के आगे (✗) का निशान लगाइए। **5x1=5**
- (क) राजा शिवप्रसाद सितारे हिन्द, हिन्दी के पक्षधर थे।  
 (ख) हिन्दी के प्रथम प्रकाशित पत्र का नाम 'बंगदूत' था।  
 (ग) 'निर्मला' उपन्यास का प्रधान पुरुष पात्र जियाराम है।  
 (घ) 'कुट्ज' निबन्ध के लेखक हजारीप्रसाद द्विवेदी हैं।  
 (ङ) 'कौमुदी महोत्सव' एकांकी में प्रयुक्त राजनर्तकी का नाम अलका है।

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। **5x1=5**
- (क) 'आकाश दीप' कहानी के लेखक ..... हैं।  
 (ख) मुंशी तोताराम के सबसे छोटे बेटे का नाम ..... था।  
 (ग) नाटक के पात्र जो कथन मन-ही मन करते हैं वह ..... कथन कहलाता है।  
 (घ) निबन्धकार बालकृष्ण भट्ट ..... युग के निबन्धकार हैं।  
 (ङ) रिपोर्ट के साहित्यिक और कलात्मक रूप को हम ..... कहते हैं।
6. स्तम्भ 'क' में दी गई रचनाओं का मिलान स्तम्भ 'ख' में दिये गये उनके रचनाकारों से कीजिए। **5x1=5**

	स्तम्भ 'क'		स्तम्भ 'ख'
(क)	अंधेरनगरी	(क)	प्रेमचन्द
(ख)	स्मृति की रेखायें	(ख)	जगदीश चन्द्र माथुर
(ग)	उसने कहा था	(ग)	महादेवी वर्मा
(घ)	रीढ़ की हड्डी	(घ)	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(ङ)	गोदान	(ङ)	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'